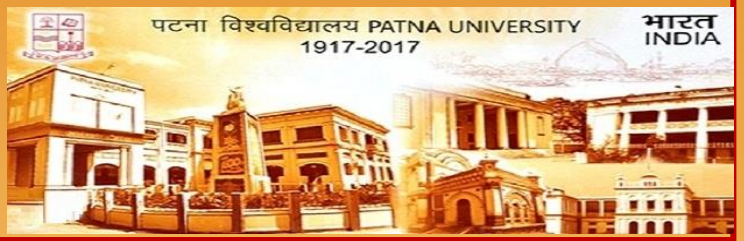

Patna University In News (11.01.2023)

THE TIMES OF INDIA

After 4 years, Patna University to hold PhD admission test on Feb 25

PATNA: Patna University (PU) will hold the PhD admission test (PAT), 2022 on February 25 after a gap of more than four years. The last date for online submission of applications on PU's website (www.pup.ac.in) for the test is January 28. The entrance test will be held in as many as 28 subjects, including Hindi, English, Sanskrit, Maithili, Arabic, Persian, philosophy, music, Urdu (humanities), history, political science, home science, ancient Indian history and archaeology, sociology, economics, psychology, personnel management and industrial relations, geography (social science), physics, chemistry, zoology, botany, geology, mathematics, statistics (faculty of science), commerce, law and education. Eligibility criteria: Candidates having Master's Degree with at least 55% marks in aggregate or its equivalent grade 'B' in the UGC 7-Point scale (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed). A relaxation of 5% marks from 55% to 50% or an equivalent relaxation of grade will be allowed for those belonging to SC/ST/EBC/BC/Differently abled categories of candidates. A candidate will ordinarily be permitted to pursue research for the PhD. degree in the subject in which he/she holds Master's degree. Selection will be made through entrance test and interview. Exemptions: The following types of candidates will be granted exemption from the written test: Candidates who have secured grants for research such as fellowship /scholarship / associateship etc. by qualifying UGC NET /CSIR NET / GATE / MHRD /Teacher Fellowship/ DBT/ ICMR/ ICAR/ DST-INSPIRE/ CSSIIRC, etc. Assistant professors, associate professors and professors who have been appointed on substantive posts in the UGC pay scale in the teaching departments or a constituent college of the university and who have completed their probation successfully with an experience of at least two years of uninterrupted service would be considered under this category. Teachers appointed in self-finance courses will not be exempted from the test. Non-teaching employees of the university, who are holding substantive appointment for more than five years and having at least 55% marks in Master's degree in the subject concerned and with at least two research papers published in any reputed refereed journal identified by the UGC would be considered under this category. Giving details of the PAT, PU examination controller Manoj Kumar said the written test would comprise two papers of 100 marks each. While the Paper I will be objective, consisting of multiple-choice questions, Paper II will be subjective, containing questions in the selected subject based on the syllabus of postgraduate courses of PU. Besides, all the candidates would have to appear at the interview of 20 marks. The minimum qualifying marks for the written test will be 50 percent marks for general candidates and 45 percent marks for reserved category candidates. There will be 50 questions in the examination of Paper I of one-hour duration. The examination of paper II will be of two hours' duration, he said. Distribution of marks in Paper I: Research aptitude – 20 marks; Language aptitude – 20 marks; Logical reasoning – 10 marks; Numerical ability – 10 marks; Data interpretation – 10 marks; Environment and sustainability – 20 marks; Computer ICT Awareness – 10 marks Distribution of marks in Paper II: Group A (30 marks): Total eight short answer type questions to be set, out of which five are to be answered (expected length of each answer – 150 words approximately). Group B (40 marks): Total seven questions to be set of which four are to be answered (expected length of each answer – 200 words approximately). Group C (30 marks) : Total four questions to be set of which two are to be answered (expected length of each answer 500 words)

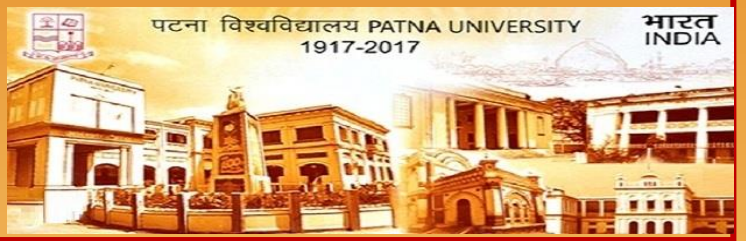

Patna University In News (11.01.2023)

दैनिक भास्कर

पीयू : पीएचडी के लिए ईडब्ल्यूएस के छात्रों को रिजर्व कैटेगरी में मौका

पोर्टल पर ईडब्ल्यूएस का होगा ऑप्शन, पीएचडी एडमिशन टेस्ट-2022 का आयोजन होगा 25 फरवरी को

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय (पीयू) में पीएचडी के लिए विवि के ऑफिशियल वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों को रिजर्व कैटेगरी में ऑप्शन नहीं दिया गया था। ऑनलाइन ऑप्शन देने के लिए निर्देश दे दिया गया है। बुधवार से जो छात्र फॉर्म भरेंगे उन्हें ईडब्ल्यूएस का ऑप्शन भी मिलेगा। वहीं जो छात्र पहले ही आवेदन कर

चुके हैं, उन्हें संशोधन का मौका दिया जाएगा। इसके लिए विशेष रूप से पोर्टल पर संशोधन का मौका देने पर विचार किया जा रहा है। पीएचडी में नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन 28 जनवरी तक होगा। वहीं पीएचडी एडमिशन टेस्ट (पैट)-2022 का आयोजन 25 फरवरी को किया जाएगा।

पीजी में जनरल कैटेगरी में 55% अंकों और रिजर्व कैटेगरी में 50% अंक वाले कर सकेंगे आवेदन

स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो अनिल कुमार ने बताया कि जनरल कैटेगरी के छात्र जिन्होंने पीजी में 55 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं और रिजर्व कैटेगरी के छात्र जिन्होंने 50 प्रतिशत अंक के साथ पीजी उत्तीर्ण किया है, वे आवेदन कर सकते हैं। इस प्रकार ईडब्ल्यूएस छात्र भी इस निर्णय के बाद पीजी में 50 प्रतिशत अंक होने पर भी आवेदन कर सकते हैं। एंट्रेंस टेस्ट में जनरल कैटेगरी के छात्र 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होंगे, वहीं रिजर्व कैटेगरी के छात्रों को कम से 45 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। इसके बाद मेरिट लिस्ट में भी रिजर्वेशन कैटेगरी का ध्यान रखा जाना है। उसमें जनरल में ही 10 प्रतिशत सीटें ईडब्ल्यूएस के लिए रिजर्व रहेंगी।

नेट-जेआरएफ के छात्रों को टेस्ट देने की जरूरत नहीं

नेट व जेआरएफ के छात्रों को टेस्ट देने की जरूरत नहीं है। यूजीसी नेट-जेआरएफ छात्र और पैट के उत्तीर्ण छात्र दोनों एक बार फिर ऑनलाइन आवेदन रिक्त सीटों के लिए करेंगे। इन सभी का वाइवा (मौखिकी) भी विभाग के द्वारा किया जायेगा, जिसमें एक एक्सटर्नल भी शामिल रहेंगे। पैट, नेट-जेआरफ के अंकों व मौखिकी के अंकों को मिलाकर खाली सीटों पर मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी।

हर विभागों से मांगी गयी है जानकारी

पटना विवि में हर पीजी विभागों से पीएचडी की खाली सीटों के संबंध में जानकारी मांगी गयी है। एंट्रेंस टेस्ट तक सब अपडेट विवि के पास आ जाएगा। एक प्रोफेसर कम से कम आठ, एसोसिएट प्रोफेसर छह और असिस्टेंट प्रोफेसर चार छात्र-छात्राओं को शोध करा सकते हैं।

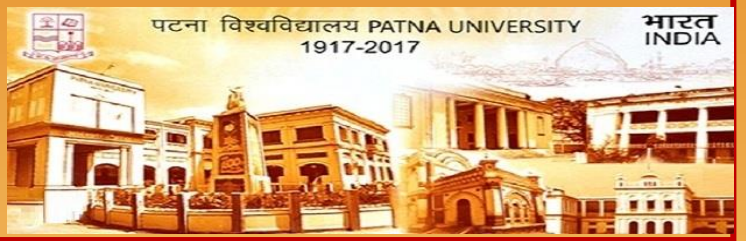

पटना विश्वविद्यालय
Patna University

Estd. 1917

Patna University In News (11.01.2023)

हिन्दुस्तान

केन्द्र के निर्देश के बाद राज्य सरकार ने सभी कुलपतियों को भेजा पत्र

कॉलेज शिक्षकों को लेना होगा 36 घंटे का अनिवार्य प्रशिक्षण

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। कॉलेज शिक्षकों को 36 घंटे का प्रशिक्षण लेना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यह प्रशिक्षण लेना आवश्यक होगा। शिक्षा विभाग ने सभी कुलपतियों को इसके कार्यान्वयन की जिम्मेवारी सौंपी है।

विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी कुलपतियों से कहा है कि वे नेप-2020 के तहत चलाए जा रहे इस प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम में सभी शिक्षकों को भाग लेने के लिए निर्देशित करें। नैक के नोडल पदाधिकारी एनके अग्रवाल को इसके समन्वय की जिम्मेवारी दी गयी है। अपने पत्र में अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर 15 अगस्त 2022 से यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अब बिहार में इस योजना पर काम हो रहा है। इसके पहले भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने राज्य सरकार को इस संबंध में पत्र भेजा था। मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग ने राज्य सरकार को भेजे पत्र में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार से जिक्र किया है।

शिक्षा मंत्रालय के सचिव के. संजय मूर्ति के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानक के अनुरूप काफी शोध, अध्ययन और अनुसंधान के बाद इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को तैयार किया गया है। इग्नू ने इस कोर्स को विकसित किया है। इसमें 36 घंटे में अध्ययन-अध्यापन की पूरी रूपरेखा तैयार की गयी है। इसे 6 दिन में पूरा करना है। ऐसे इसे अधिकतम 9 दिनों में भी पूरा किया जा सकता है। प्रशिक्षण ऑनलाइन होगा। पूरे देश में 6000 कॉलेज शिक्षकों का पायलट बैच शुरू हो चुका है। हालांकि इसके लिए 30 हजार शिक्षक निबंधित हो चुके हैं। इग्नू का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम यूजीसी-एचआरडीसी के समकक्ष है। इस कार्यक्रम के तहत कॉलेज शिक्षक समर्थ प्लेटफॉर्म के माध्यम से आगे की कार्यवाही कर सकते हैं। इसमें ई-कंटेंट की 14 इकाई, ई-ट्यूटोरियल के 30 उच्च क्षमता के वीडियो अध्याय, वाद-विवाद के प्लेटफॉर्म, लाइव कॉन्फ्रेंस आदि से जुड़े कई कार्यक्रम शामिल किये गये हैं।

06 दिनों का विशेष कोर्स किया गया तैयार, अधिकतम 9 दिनों में पूरा करना होगा

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के तहत लेना होगा प्रशिक्षण
- शिक्षा विभाग ने सभी कुलपतियों को कार्यान्वयन की जिम्मेवारी सौंपी
- व्यापक अध्ययन, शोध और अनुसंधान के बाद तैयार किया गया है पाठ्यक्रम
- नई गाइडलाइन में अनिवार्य किया गया, कॅरियर से जुड़ा होगा यह प्रशिक्षण
- व्याख्याता से लेकर प्रोफेसर तक को शामिल होना होगा

अत्याधुनिक पैटर्न पर तैयार किया गया है प्रशिक्षण कोर्स

यह कोर्स बेहद अत्याधुनिक पैटर्न पर विकसित किया गया है। इसमें कॉलेज शिक्षकों को उनके अध्यापन के विविध आयाम की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। यही नहीं, दुनिया में जो कुछ नया चल रहा है, उसकी भी जानकारी दी जाएगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल मकसद यही है कि कॉलेज शिक्षक अपने छात्र-छात्राओं को बेहतर ढंग से पढा सकें और उन्हें मौजूदा परिवेश के लिए तैयार कर सकें।